# प्राकृतिक कृषि पर राष्ट्रीय मिशन:

**प्रसंग**

सरकार ने देश भर में बड़े पैमाने पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP) को विस्तारित कर प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन (NMNF) की घोषणा की है

**प्राकृतिक कृषि की अवधारणा:**

- प्राकृतिक कृषि को "रसायन मुक्त और पशुधन आधारित खेती" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- कृषि-पारिस्थितिकी पर आधारित, यह एक विविध कृषि प्रणाली है जो कार्यात्मक जैव विविधता के इष्टतम उपयोग की अनुमति देते हुए फसलों, पेड़ों और पशुओं को एकीकृत करती है।
- प्राकृतिक कृषि कई अन्य लाभ यथा मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की बहाली, और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करते हुए किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होती है।
- प्राकृतिक कृषि खेतों में या उसके आसपास मौजूद प्राकृतिक या पारिस्थितिक प्रक्रियाओं पर आधारित होती है।

**प्राकृतिक कृषि की विशेषताएं:**

- प्राकृतिक कृषि के सिद्धांतों के अनुसार, पौधे अपने पोषक तत्वों की आपूर्ति का 98% हवा, पानी और सूरज की रोशनी से प्राप्त करते हैं और शेष 2% को अच्छी गुणवत्ता वाली मिट्टी से पूरा किया जा सकता है जिसमें बहुत सारे अनुकूल सूक्ष्मजीव होते हैं।
- मिट्टी को हमेशा जैविक गीली घास से ढंकना चाहिए, जो ह्यूमस बनाता है और अनुकूल सूक्ष्मजीवों के विकास को प्रोत्साहित करता है।
- मिट्टी के माइक्रोफ्लोरा में सुधार करने के लिए किसी भी उर्वरक के बजाय 'जीवामृत, बीजामृत आदि' नाम से खेत में बनाई गई जैव-संस्कृतियों को मिट्टी में मिलाया जाता है।
- प्राकृतिक कृषि में मिट्टी में न तो रासायनिक और न ही जैविक खाद मिलाई जाती है। वास्तव में, कोई बाहरी उर्वरक मिट्टी में नहीं डाला जाता है या पौधों को नहीं दिया जाता है।
- प्राकृतिक कृषि में, मिट्टी की सतह पर ही रोगाणुओं और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के अपघटन को प्रोत्साहित किया जाता है, जो समय के साथ धीरे-धीरे मिट्टी में पोषण जोड़ता है।
- प्राकृतिक कृषि में कोई जुताई नहीं होती है, मिट्टी की जुताई नहीं होती है और कोई उर्वरक नहीं होता है, और कोई निराई नहीं की जाती है, जैसा कि प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र में होता है।
- दशपर्णी सन्दूक और नीम अस्त्र जैसे प्राकृतिक, कृषि निर्मित कीटनाशकों का उपयोग कीट और रोगों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।
- खरपतवारों को आवश्यक माना जाता है और जीवित या मृत मल्च परत के रूप में उपयोग किया जाता है,
- एकल फसल पद्धति पर बहु-फसल को प्रोत्साहित किया जाता है।

**भारत में प्राकृतिक खेती का वर्तमान परिदृश्य:**

- ऐसे कई राज्य हैं जो प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु प्रमुख हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| • इसमें गाय के गोबर और गोमूत्र प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। | • भारत में अब तक 6.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक कृषि की जा रही है। विभिन्न राज्य सरकारें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही हैं। |

## न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी

**प्रसंग**

हाल ही में एक किसान संगठन के सदस्यों ने एमएसपी पर कानूनी गारंटी की मांग को लेकर पंजाब में रेलवे ट्रैक पर धरना दिया है ।

**मुख्य विशेषताएं:**

- वर्तमान में न्यूनतम समर्थन मूल्य की कीमतों के लिए कोई वैधानिक समर्थन नहीं है, न ही उन्हें लागू करने के लिए कोई कानून है।
- किसान संघ चाहते हैं कि C2+50% फॉर्मूले पर आधारित MSP "सभी कृषि उत्पादों के लिए कानूनी अधिकार बनाया जाए। जिससे देश के हर किसान को कम से कम उनकी पूरी फसल के लिए सरकार द्वारा घोषित एमएसपी की गारंटी दी जा सके।
- सरकार केवल एक तिहाई गेहूं और चावल की फसलों (जिनमें से आधा अकेले पंजाब और हरियाणा में खरीदा जाता है), और चुनिंदा दालों और तिलहन का 10% -20% को एमएसपी दरों पर खरीदती है ।
- शांता कुमार समिति की 2015 की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 6% किसान परिवार सरकार को एमएसपी दरों पर गेहूं और चावल बेचते हैं।
- ये फसलें सरकारी एजेंसियों द्वारा किसानों से तय कीमत पर खरीदी जाती हैं और किसी भी स्थिति में एमएसपी में बदलाव नहीं किया जा सकता है।
- एमएसपी के तहत कुल 23 फसलों की खरीद की जाती है।
- कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) से प्राप्त सिफारिशों के आधार पर एमएसपी केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- किसानों द्वारा किए गए उत्पादन लागत के कम से कम डेढ़ (1.5) गुना की गणना के आधार पर एमएसपी का निर्धारण किया जाता है ।
- मौजूदा एमएसपी की गणना ए2+एफएल पद्धति के आधार पर की गई है।
- A2+FL= इसमें भुगतान की गई वास्तविक लागत और अवैतनिक पारिवारिक श्रम का एक अनुमानित मूल्य शामिल है।
- एमएसपी का 1.5 गुना फॉर्मूला = ए2+एफएल लागत का 1.5 गुना।

**• C2 फॉर्मूला**

○ कृषि संघ मांग कर रहे हैं कि एक व्यापक लागत गणना (C2) में पूंजीगत संपत्ति और स्वामित्व वाली भूमि पर किराए और ब्याज को भी शामिल किया जाना चाहिए, जैसा कि किसानों के लिए राष्ट्रीय आयोग द्वारा अनुशंसित किया गया है।

• अभी तक, सीएसीपी 23 वस्तुओं के एमएसपी की सिफारिश करता है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं।

- 7 अनाज (धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, बाजरा, जौ और रागी)। o 5 दालें (चना, अरहर, मूंग, उड़द, मसूर)।
- 7 तिलहन (मूंगफली, तोरिया-सरसों, सोयाबीन, सीसम, सूरजमुखी, कुसुम, नाइजर बीज)।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| **न्यूनतम समर्थन मूल्य:**<br>• एमएसपी एक न्यूनतम मूल्य गारंटी है जो किसानों के लिए विशेष फसल पर एक सुरक्षा जाल या बीमा के रूप में कार्य करता है । | • o 4 व्यावसायिक फसलें (खोपरा, गन्ना, कपास और कच्चा जूट)। |

# रॉयल बंगाल टाइगर

**प्रसंग**

हाल ही में असम के ओरंग नेशनल पार्क में एक रॉयल बंगाल टाइगर मृत पाया गया है।

**रॉयल बंगाल टाइगर के बारे में**

- रॉयल बंगाल टाइगर्स को भारतीय टाइगर और बंगाल टाइगर के रूप में भी जाना जाता है।
- वे दुनिया में बाघ परिवारों की एक बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- वैज्ञानिक नाम: पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस।

**पर्यावास और वितरण:**

- रॉयल बंगाल टाइगर ज्यादातर भारत, बांग्लादेश और नेपाल के घने जंगल में रहता है।ध्यातव्य है कि ये देश दुनिया की बाघ आबादी का 80% से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं।

**संकट :-**

o शिकार, अवैध शिकार, शहरीकरण, पर्यावास हानि, और अवैध वन्यजीव व्यापार।

**संरक्षण की स्थिति:**

- IUCN रेड लिस्ट- लुप्तप्राय।
- WPA 1972- अनुसूची I।
- CITES- परिशिष्ट I.

**संरक्षण:**

- भारत के 18 राज्यों में कुल 53 बाघ अभयारण्य हैं तथा 2018 की अंतिम बाघ जनगणना में यहाँ बाघों की आबादी में व्यापक वृद्धि पाई गई है।
- भारत ने बाघ संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा के कार्यक्रम (2022) से चार साल पहले बाघों की आबादी को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल कर लिया।
- भारत सरकार ने 1अप्रैल 1973 बाघ के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए को "प्रोजेक्ट टाइगर" लॉन्च किया था ।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण- यह MoEFCC के तहत एक वैधानिक निकाय है और टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद 2005 में स्थापित किया गया था।

**ओरंग राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:**

- इसे राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान के रूप में भी जाना जाता है।
- यह ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित है।
- पचनोई नदी और धनसिरी नदियाँ क्रमशः ओरंग राष्ट्रीय उद्यान की पूर्वी और पश्चिमी सीमाओं के साथ बहती हैं। ये दोनों नदियाँ ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियाँ हैं।
- इसे 1985 में एक वन्यजीव अभ्यारण्य के रूप में स्थापित किया गया था लेकिन 1999 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- इसे मिनी काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (IUCN साइट) के रूप में

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| | भी जाना जाता है क्योंकि दोनों पार्कों में दलदल, जलधाराओं और घास के मैदानों से बना एक समान परिदृश्य है। |

## संक्षिप्त सुर्खियां

### आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)

Organisation of Economic Co-Operation and Development

**सन्दर्भ :-**

हाल ही में, गुजरात सरकार ने सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन (PISA) परीक्षा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

**मुख्य विशेषताएं:**

- पीआईएसए वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए पढ़ने, गणित और विज्ञान के ज्ञान और कौशल का उपयोग करने की 15 वर्षीय बच्चों की क्षमता का मापन करता है ।
- यह इस आयु वर्ग के छात्रों को "महत्वपूर्ण सोच, समस्या समाधान और प्रभावी संचार" का भी परीक्षण करता है।
- इस तरह के समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है।

**ओईसीडी के बारे में:**

- OECD की स्थापना 14 दिसंबर, 1960 को 18 यूरोपीय देशों और संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कनाडा द्वारा की गई थी।
- मुख्यालय- पेरिस, फ्रांस।
- यह 38 सदस्य देशों का एक समूह है जो आर्थिक और सामाजिक नीति पर चर्चा और विकास करता है।
- ओईसीडी के सदस्य आमतौर पर लोकतांत्रिक देश हैं जो मुक्त बाजार अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं।
- अधिकांश ओईसीडी सदस्य उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं हैं जिनका मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) बहुत अधिक है और उन्हें विकसित देश माना जाता है।
- 2017 में OECD के सदस्य देशों में सामूहिक रूप से वैश्विक नाममात्र GDP का 62.2% (US$49.6 ट्रिलियन) और वैश्विक वास्तविक GDP का 42.8% ($54.2 ट्रिलियन) का प्रतिनिधित्व करते थे।
- OECD का घोषित लक्ष्य उन नीतियों को आकार देना है जो सभी के लिए समृद्धि, समानता, अवसर और कल्याण को बढ़ावा देती हैं।
- ओईसीडी संयुक्त राष्ट्र का एक आधिकारिक स्थायी पर्यवेक्षक है और इसे थिंक-टैंक या निगरानी समूह के रूप में संदर्भित किया जाता है।

| | |
|---|---|
| | • भारत उन कई गैर-सदस्य अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिनके साथ ओईसीडी के कार्यकारी संबंध हैं। |
| **एक चुनाव में दो सीटों पर चुनाव लड़ना**<br> | **प्रसंग**<br>हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव कानून में एक प्रावधान (उम्मीदवारों को एक साथ दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की अनुमति देता है)को रद्द करने से इनकार कर दिया है ।<br>**मुख्य विशेषताएं:**<br>• याचिकाकर्ता ने अदालत से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 33(7) को अवैध और अधिकारातीत घोषित करने की मांग की थी।<br>• SC ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है और राजनीतिक लोकतंत्र से जुड़ा मुद्दा है। जिसका निरनयनिर्णय संसद पर आधारित है।<br>**जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (RPA) की धारा 33(7)**<br>• यह एक उम्मीदवार को दो निर्वाचन क्षेत्रों तक कोई भी चुनाव (संसदीय, राज्य विधानसभा, द्विवार्षिक परिषद, या उपचुनाव) लड़ने की अनुमति देता है।<br>• यह प्रावधान 1996 में पेश किया गया था।<br>• इस प्रावधान से पहले निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या पर कोई रोक नहीं थी जहां से एक उम्मीदवार चुनाव लड़ सकता था।<br>• आरपीए की धारा 70 में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य के विधानमंडल के किसी भी सदन में एक से अधिक सीटों के लिए चुना जाता है, तब तक सभी सीटें खाली मानी जाएँगी जब तक कि वह निर्धारित समय के भीतर सभी में से एक को छोड़कर इस्तीफा नहीं दे देता है |
| **पुराने कोरोनावायरस वेरिएंट का स्रोत हो सकता है हिरण** | **प्रसंग**<br>एक नए अध्ययन से पता चलता है कि लोगों के बीच व्यापक रूप से फैलना बंद होने के बाद भी, कोरोनोवायरस के अल्फा और गामा संस्करण सफेद पूंछ वाले हिरणों में प्रसारित तथा विकसित हो रहे हैं ।<br>**हिरण और कोरोनावायरस के बीच क्या संबंध है?**<br>• हिरणों के पिछले अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में सफेद पूंछ वाले हिरणों की आबादी के मनुष्यों से संपर्क के कारण कोरोनोवायरस प्रसारित हुआ है।<br>• हालाँकि वैज्ञानिक अभी तक मनुष्य से वायरस के स्थानांतरित होने की प्रक्रिया |

| | |
|---|---|
| | को पुष्ट नहीं कर पाए हैं परन्तु उन्होंने अनुमान लगाया है कि मानव के द्वारा खाद्य अपशिस्टो को खाने के कारण हिरणो में इसका संक्रमण हुआ होगा।<br>• मनुष्यों के लिए संक्रमित हिरण से होने वाले जोखिम का पैमाना स्पष्ट नहीं है। वैज्ञानिकों ने एक मामले का दस्तावेजीकरण किया है जो संभवतः ओंटारियो में हिरण-से-मानव संचरण के परिणामस्वरूप हुआ।<br>• उन्होंने ध्यान दिया है कि शिकारियों तथा जानवरो से निरंतर संपर्क रखने वाले लोगों में संक्रमण हो सकता है। |
| **संत गुरु रविदास**<br> | **प्रसंग**<br>प्रधानमंत्री ने संत रविदास को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।<br>**संत रविदास कौन थे?**<br>• श्री गुरु संत रविदास जी 15वीं शताब्दी के दौरान भारत में एक महान संत, दार्शनिक, कवि, समाज सुधारक और ईश्वर के अनुयायी थे।<br>• वह निर्गुण संप्रदाय के सबसे प्रसिद्ध और अग्रणी संतो तथा उत्तर भारतीय भक्ति आंदोलन के प्रमुख व्यक्तियों में एक थे।<br>• उन्होंने अपने प्रेमियों, अनुयायियों और समाज के लोगों को अपने महान कविता लेखन के माध्यम से विभिन्न प्रकार के आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश दिए थे ताकि वे अपने मन को सुधार सकें और ईश्वर के प्रति अपना असीम प्रेम प्रदर्शित कर सकें ।<br>• संत गुरु रविदास जी को मीरा बाई का आध्यात्मिक गुरु माना जाता है जो चित्तौड़ की रानी और राव दूदाजी की बेटी थीं।<br>• इन्होने "ईश्वर ने मनुष्य को बनाया न कि मनुष्य ने ईश्वर को बनाया" अर्थात सभी को ईश्वर ने बनाया है और इस पृथ्वी पर उनका समान अधिकार है का सन्देश दिया ।<br>• उनके पद, भक्ति गीत और अन्य लेखन (लगभग 41 छंद) का उल्लेख सिख धर्मग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब (5वें सिख के गुरु अर्जन देव द्वारा संकलित) में किया गया है। |
| **एचएएल की हेलीकॉप्टर फैक्ट्री** | **संदर्भ**<br>प्रधानमंत्री कर्नाटक के तुमकुरु में एचएएल की हेलीकॉप्टर फैक्ट्री राष्ट्र को समर्पित करेंगे।<br>**मुख्य विशेषताएं:**<br>• देश की सभी हेलीकॉप्टर आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप समाधान बनने के उद्देश्य से 615 एकड़ भूमि में फैली ग्रीनफील्ड हेलीकॉप्टर फैक्ट्री की योजना |

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| | बनाई गई है।<br>• यह भारत की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर निर्माण सुविधा है और शुरुआत में लाइट यूटिलिटी हेलीकाप्टर (एलयूएच)का उत्पादन करेगी।<br>• एलयूएच स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित 3-टन श्रेणी का, एकल इंजन बहुउद्देश्यीय उपयोगिता हेलीकाप्टर है जिसमें उच्च गतिशीलता की अनूठी विशेषताएं हैं।<br>• प्रारंभ में, कारखाना प्रति वर्ष लगभग 30 हेलीकाप्टरों का उत्पादन करेगा और इसे चरणबद्ध तरीके से 60 और फिर 90 प्रति वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।<br>• बेंगलुरु में मौजूदा एचएएल सुविधाओं के साथ कारखाने की निकटता, क्षेत्र में एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगी और स्कूलों, कॉलेजों और आवासीय क्षेत्रों जैसे कौशल और बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करेगी। |
| **प्लास्टइंडिया 2023**<br> | **प्रसंग**<br>केंद्रीय रसायन और उर्वरक और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने प्लास्टइंडिया 2023 लॉन्च किया।<br>**मुख्य विशेषताएं:**<br>• अगले दशकों में भारत के पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र में वृद्धिशील वैश्विक विकास में 10% से अधिक योगदान करने का अनुमान है।"<br>**प्लास्टइंडिया 2023 के बारे में**:<br>• प्लास्टइंडिया , प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के तहत प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला को संदर्भित करता है, यह 11 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक प्रदर्शनी में आयोजित किया जायेगा।<br>• प्रदर्शनी रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करेगी, भारतीय प्लास्टिक उद्योग के विकास को सुगम बनाएगी और भारत को वैश्विक जरूरतों के लिए प्लास्टिक की सोर्सिंग का केंद्र बनाएगी। |
| **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** | **प्रसंग**<br>हाल ही में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) की मृत्यु के मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित एक समिति ने अदालत से बिजली पारेषण लाइनों के भूमिगत बिछाने को प्राथमिकता देने के निर्देश पारित करने का अनुरोध किया है।<br>**ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के बारे में**:<br>• यह घास के मैदान की एक प्रमुख प्रजाति है, जो घास के मैदान की पारिस्थितिकी के स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करती है। |

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| | • यह दुनिया के सबसे बड़ी उड़ान वाले पक्षियों में से एक है, और भारत का सबसे वजनी पक्षी है।<br>• नर पक्षी का वजन 12-15 किलोग्राम तक और मादा पक्षी का वजन 5-8 किलोग्राम तक होता है।<br>**वितरण और जनसंख्या**<br>• द ग्रेट इंडियन बस्टर्ड मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है।<br>• राजस्थान में लगभग 150 है जो इसकी कुल विश्व जनसंख्या का 95% है।<br>• गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में प्रत्येक में 10 से कम पक्षी है।<br>**संकट :-** गहन कृषि पद्धतियां, बिजली की लाइनें बिछाना , औद्योगीकरण, अवैध शिकार।<br>**संरक्षण की स्थिति**<br>• भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972- अनुसूची I।<br>• साइट्स- परिशिष्ट I।<br>• IUCN रेड लिस्ट- गंभीर रूप से संकटग्रस्त।<br>**साइड नोट**<br>• देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा 2019 में क्रियान्वित एक परियोजना के माध्यम से DNP में GIBs के कैप्टिव प्रजनन को लिया गया था।<br>• पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण और वन मंत्रालय से 'प्रोजेक्ट टाइगर' की तर्ज पर 'प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी)' होने की संभावना तलाशने के लिए कहा था।<br>• इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, GIB विलुप्त होने के कगार पर हैं, .वर्तमान में 50 से 249 तक बस्टर्ड जीवित हैं। |

**MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare**